स्वार्थ से टकराव

भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

स्वार्थ से टकराव
हरि, राकेश और ओम बचपन से ही अच्छे दोस्त हैं। वे साथ पढ़ते थे और साथ-साथ खेलते थे।
स्नातक होने के बाद, वे फिर से मिले।
हाय राकेश ! हाय ओम ! क्या हाल है?
हम अच्छे हैं। तुम कैसे हो ?
मैं भी अच्छा हूँ। तुम लोग आजकल क्या कर रहे हो?
फोटोकापी
PHOTOSTAT
मैं अपने चाचा के साथ काम कर रहा था। उनकी फोटोस्टेट की एक छोटी सी दुकान है।

मुझे वह छोटा-मोटा काम करना अच्छा नहीं लगता था, लेकिन हमारे जैसे छोटे शहर में अच्छी नौकरियों की ज्यादा गुंजाइश नहीं है।
हमारे पास इतना पैसा भी नहीं है कि हम एक अच्छा व्यापार शुरू कर सकें। इसलिए मैं नौकरी की तलाश में दिल्ली वापस आ गया। तुम और हरि क्या कर रहे हो ?
मैंने हाल ही में एक कंसल्टेंसी फर्म खोली है जो विभिन्न विभागों को मैनपावर की आपूर्ति करती है।
HARI
मुझे सरकारी विभाग, जिसमें मेरे पिताजी काम करते हैं, वहाँ पहला टेंडर भी मिल गया है।
बधाई हो ! राकेश, मुझे लगता है तुम्हारे पिता भी एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में कार्यरत हैं ?

हाँ, वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में एक वरिष्ठ पद पर कार्यरत हैं।
मैं तुम लोगों के साथ एक सूचना साझा करना चाहता हूं कि उनके संगठन ने हाल ही में प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए कुछ रिक्तियों का विज्ञापन दिया है।
मेरे पास अपेक्षित योग्यताएं भी हैं इसीलिए मेरे पिताजी चाहते हैं कि मैं भी इस पद के लिए आवेदन करूं।
इतने बड़े संगठन में चयन बहुत मुश्किल होगा।
चलो, तुम्हारे पिताजी से कुछ मार्गदर्शन प्राप्त करें, जिससे हम दोनों नौकरी के लिए आवेदन कर सके।

राकेश ने इस बारे में अपने पिताजी को बताया।
पापा, मैंने अपने दोस्तों ओम और हरि को रिक्तियों के बारे में बताया। मेरे साथ साथ ओम भी इसके लिए आवेदन करना चाहता है।
यह बहुत अच्छा है। तुम दोनों को अच्छे से तैयारी करनी चाहिए। मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।
राकेश और ओम ने उत्साहपूर्वक परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी।
परीक्षा के दिन से पहले आधी रात को।
अरे ! ओम तुम सो क्यों नहीं जाते ?

यह मेरे लिए एक सुनहरा अवसर है। मैं इस अवसर को खोना नहीं चाहता। मुझे इसके लिए अच्छी तैयारी करनी चाहिए।
अरे मैंने भी तो पूरी तैयारी की है, पर तुम तो अभी तक स्कूल के दिनों की तरह किताबी कीड़े बने हुए हो।
मत भूलो, हमारे ऊपर मेरे पिताजी का आशीर्वाद भी है।
यह सच है। लेकिन मैं अपनी योग्यता के आधार पर नौकरी पाना चाहता हूं।
अच्छा ठीक है। चलो अब सो जाते है।
वे परीक्षा में शामिल हुए और दोनों ने लिखित और फिर साक्षात्कार परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

ओम, चलो अपने चयन का जश्न मनाएं।
हाँ, चलो हरि को भी बुलाते हैं।
शाम को
बधाई हो दोस्तों।
धन्यवाद दोस्त। पर तुम इतने उदास क्यों दिख रहे हो?
दरअसल, उस सरकारी विभाग के एक कर्मचारी ने मेरे पिताजी के टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने की शिकायत केंद्रीय सतर्कता आयोग को कर दी थी।
जांच के बाद, मेरे पिताजी अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं , क्योंकि वह उस समिति के सदस्य थे, जिसने मेरी फर्म के चयन की सिफारिश की थी।

ओह, यह बहुत दुख की बात है। पर, ऐसी स्थिति में मुझे समझ नहीं आ रहा कि कोई क्या करे।
मुझे पूरा यकीन है कि मेरे पिताजी के पास इस सवाल का जवाब होगा।
चलो, इस बारे में उनसे बात करते हैं।
ओम, राकेश और हरि के साथ, धन्यवाद देने के लिए राकेश के पिताजी से मिलने गया।
नमस्ते अंकल।
नमस्ते बेटा, बधाई हो!

आपके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद अंकल। आपने वास्तव में हमें कड़ी मेहनत करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।
और मुझे विश्वास है कि आपने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी होने के बावजूद हमारे चयन को प्रभावित नहीं किया होगा।
हाँ बेटा। चूँकि राकेश और तुम इस परीक्षा में शामिल थे, इसलिए मैंने एक उपयुक्त घोषणा देकर इस प्रक्रिया से खुद को दूर कर लिया था।
तुम दोनों का चयन तुम्हारी मेहनत और योग्यता के कारण हुआ है ।
ओह, क्या मेरे पिताजी को भी ऐसी घोषणा देने की आवश्यकता थी?

हरि ने टेंडर प्रक्रिया की पूरी घटना राकेश के पिताजी को बताई।
खरीद अधिकारियों के साथ-साथ बोलीदाता, आपूर्तिकर्ता, ठेकेदार और सलाहकार / सेवा प्रदाता, सार्वजनिक खरीद के लिए 'सत्यनिष्ठा संहिता' के तहत किसी भी खरीद प्रक्रिया में स्वार्थ के किसी भी टकराव जैसे करीबी व्यापार या पारिवारिक संबंध होने की घोषणा करने के लिए बाध्य हैं।
ऐसा ना करना 'सत्यनिष्ठा संहिता' का उल्लंघन माना जाता है।
तो तुम्हारे पिताजी को भी उचित घोषणा पत्र देकर खुद को चयन समिति से अलग कर लेना चाहिए था।
यह हमारे लिए जीवन भर की सीख है।
धन्यवाद अंकल ! आपका मार्गदर्शन हमेशा हमारे भविष्य के सभी प्रयासों में हमारी मदद करता रहेगा ।

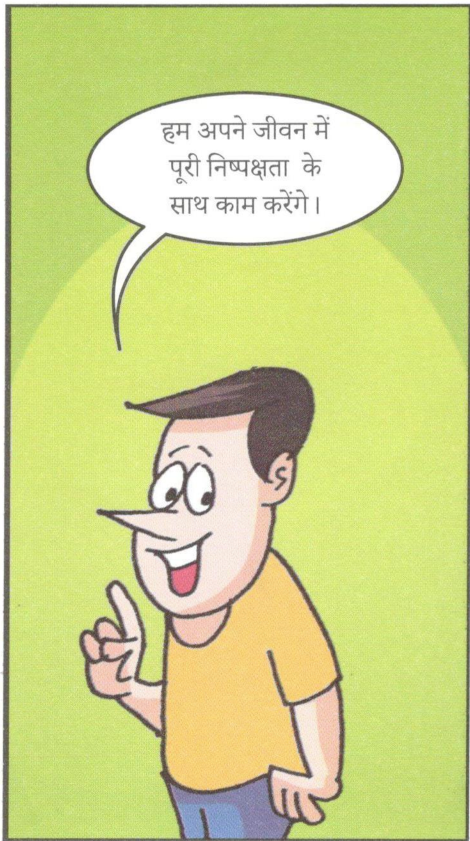

आज राकेश, ओम और हरि ये समझ चुके थे कि जीवन में नैतिकता और कड़ी मेहनत का पालन न केवल अधिक संतुष्टि और उपलब्धि की भावना देता है, बल्कि जीवन में अवांछित परेशानियों से दूर भी रखता है।

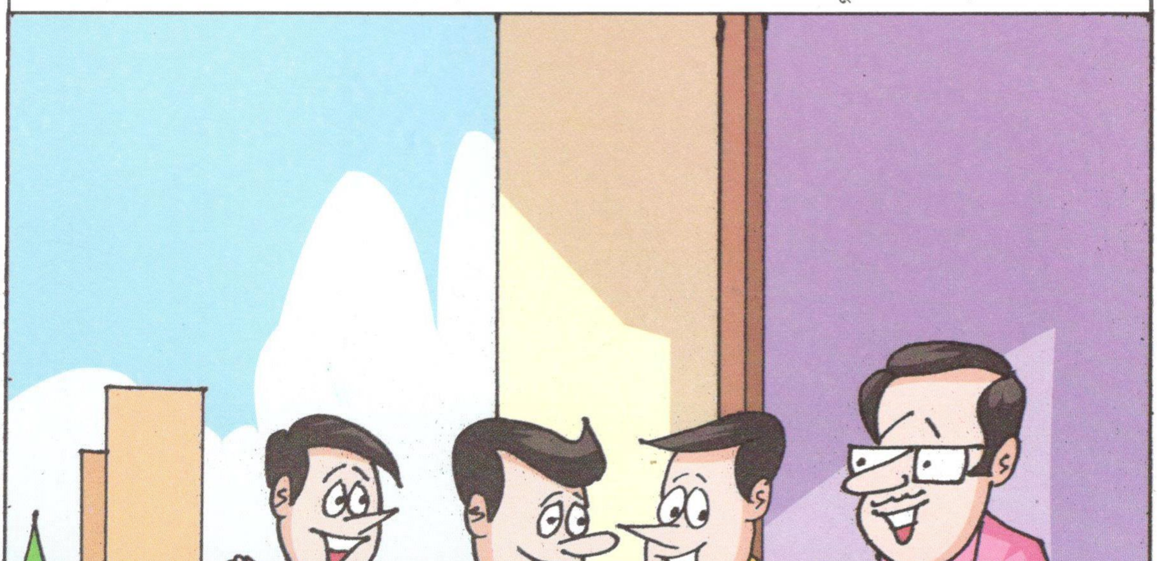

स्वार्थ से टकराव

- कार्यस्थल में स्वार्थ से टकराव एक आम समस्या है।
- यह तब होता है जब कर्मचारी के विचार, निर्णय, कार्य एवं निष्ठा उसके व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रभावित होते हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र में स्वार्थ से टकराव की स्थिति का प्रबंधन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
- जब कोई व्यक्ति स्वयं को स्वार्थ से टकराव की स्थिति में पाता है या दूसरे को ऐसा प्रतीत होता है, तो उसे सक्षम अधिकारी को इसकी सूचना देनी चाहिए और स्वयं को इससे अलग कर लेना चाहिए।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग
सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023
www.cvc.gov.in

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
आन्ध्रा Andhra
Corporation
के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित